सांध्य दैनिक
# 4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 347 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार 24 जनवरी, 2026
मूल्य ₹ 3/-

एडिसन इलेक्ट्रिक बल्ब बनाने में 10,000 बार विफल हुए। यदि आप कई बार विफल हो जाते हैं तो हिम्मत मत हारिये।
-नेपोलियन हिल

दूसरे टी20 में ईशान किशन... 7 | पार्टी विद डिफरेंस में अब झोल... 3 | बीजेपी का जुमला देने में आगे... 2

# अब राबर्ड वाड्रा केस में भी ईडी को लगी कड़ी फटकार

## 'फैसला 26 को' केस से जुड़े दस्तावेज नहीं पेश कर पाई अभी तक ईडी

» मनी लान्ड्रिंग मामले में लंबे समय से अदालत के चक्कर लगा रहे हैं वाड्रा
» कोर्ट ने मामले में ईडी को आवश्यक दस्तावेज दाखिल करने का अंतिम अवसर दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आज जब राउज एवेन्यू कोर्ट ने ईडी को चार्जशीट से जुड़े आवश्यक दस्तावेज दाखिल करने के लिए अंतिम अवसर दिया तो यह सिर्फ एक तारीख आगे बढ़ाने का आदेश नहीं था। यह न्यायपालिका की वह सख्त चेतावनी थी जो कहती है कि जांच अनंत नहीं हो सकती।

अदालत ने साफ कर दिया कि अब देरी प्रक्रिया की मजबूरी नहीं बल्कि एजेंसी की जिम्मेदारी मानी जाएगी। यह टिप्पणी अपने आप में एक रिकॉर्ड है क्योंकि भारतीय न्यायिक इतिहास में बहुत कम ऐसे मौके आते हैं जब अदालत जांच एजेंसी को सार्वजनिक रूप से उसकी सुस्ती का एहसास कराती है।

### 10 वर्षों से राबर्ट चक्कर पर चक्कर लगा रहे

10 वर्षों से अदालत के चक्कर लगा रहे राबर्ट वाड्रा मनी लान्ड्रिंग केस में आज अदालत को अपना फैसला सुनाना था। मामले से जुड़े अहम दस्तावेजों को अभी तक ईडी पेश नहीं कर पायी। अदालत ने इस इश्यू पर ईडी को कड़ी फटकार लगाते हुए 26 फरवरी को फैसला सुनाने के लिए कहा है। आज की सुनवाई टलने से क्या यह माना जाए कि एक और अहम केस में सरकारी एजेंसी अहम दस्तावेज पेश नहीं कर सकी।

**2025**

**जुलाई में ईडी ने रॉबर्ट वाड्रा का बयान पीएमएलए की धारा 50 के तहत दर्ज किया था।**

**ईडी ने कोर्ट से चार्जशीट से जुड़े कुछ आवश्यक कागजात जमा करने के लिए अतिरिक्त समय की मांग की है**

### डिफेंस डीलर से रिलेशनशिप के आरोप

प्रवर्तन निदेशालय की ओर से रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लेने के मामले में राऊज एवेन्यू कोर्ट में होने वाली सुनवाई टाल दी गयी है। अब इस पूरे मामले की अगली सुनवाई अब 26 फरवरी को होगी। मामले की सुनवाई के दौरान ईडी ने कोर्ट से चार्जशीट से जुड़े कुछ आवश्यक कागजात जमा करने के लिए अतिरिक्त समय की मांग की। इस पर कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए ईडी को कड़ी फटकार लगाई और स्पष्ट किया कि यह कागजात जमा करने के लिए एजेंसी को आखिरी मौका दिया जा रहा है। यह चार्जशीट ब्रिटेन के डिफेंस डीलर संजय भंडारी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दायर की गई है। इस केस के तहत विदेशी संपत्तियों और कथित अवैध वित्तीय लेन-देन से जुड़े पुराने आरोपों की एक बार फिर से गहन जांच शुरू की गई है। ईडी के अनुसार रॉबर्ट वाड्रा का नाम संजय भंडारी से जुड़ी विदेशी संपत्तियों और वित्तीय लेन-देन के संदर्भ में सामने आया है। एजेंसी का आरोप है कि इन लेन-देन में मनी लॉन्ड्रिंग के तत्व मौजूद हैं जिसकी जांच मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम के तहत की जा रही है।

### 2016 से शुरू हुई थी जांच

गौरतलब है कि प्रवर्तन निदेशालय की जांच 2016 में संजय भंडारी पर हुई इनकम टैक्स की छापेमारी की एक श्रृंखला से शुरू हुई जिसमें कथित तौर पर ऐसे ईमेल और दस्तावेज मिले थे। ईडी ने दावा किया कि ये सबूत रॉबर्ट वाड्रा और उनके सहयोगियों के साथ उसके संबंधों की ओर इशारा करते थे। ईडी ने अपनी जांच पूरी करने के बाद रॉबर्ट वाड्रा को आरोपी बनाया था। एक संबंधित मामले में ईडी ने एक विशेष अदालत को बताया है कि रॉबर्ट वाड्रा को गुरुग्राम में एक विवादित जमीन सौदे से 58 करोड़ रुपए मिले थे। इसमें से 53 करोड़ रुपए स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी के माध्यम से और 5 करोड़ रुपए ब्लू ब्रीज ट्रेडिंग के माध्यम से भेजे गए थे। अपनी जांच के हिस्से के रूप में केंद्रीय एजेंसी ने 38.69 करोड़ रुपए की 43 अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच किया जिनकी पहचान अपराध की कमाई के प्रत्यक्ष या मूल्य के बराबर के रूप में की गई थी।

### अब 26 फरवरी को होगी सुनवाई

जुलाई 2025 में ईडी ने रॉबर्ट वाड्रा का बयान पीएमएलए की धारा 50 के तहत दर्ज किया था। वहीं संजय भंडारी पहले से ही विदेश में अघोषित संपत्तियां रखने और अवैध वित्तीय लेन-देन के आरोपों का सामना कर रहा है। फिलहाल कोर्ट ने मामले में ईडी को आवश्यक दस्तावेज दाखिल करने का अंतिम अवसर दिया है। ऐसे में अब हर किसी की नजर 26 फरवरी को होने वाली सुनवाई पर टिकी है।

# बीजेपी जुमला देने में आगे : अखिलेश यादव

## 2027 की प्रस्तावित जनगणना की अधिसूचना को लेकर केंद्र और बीजेपी पर सवालिया निशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एकबार फिर भाजपा पर करारा वार किया है। सपा प्रमुख ने 2027 की प्रस्तावित जनगणना की अधिसूचना को लेकर केंद्र सरकार और बीजेपी पर सवालिया निशान लगाया है। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि जब जनगणना के फॉर्म में जाति का कॉलम ही नहीं है, तो फिर जातिगत जनगणना होगी कैसे। अखिलेश यादव ने इसे बीजेपी का जुमला करार देते हुए कहा कि जातिगत जनगणना न कराना पीडीए के अधिकारों के खिलाफ एक सुनियोजित साजिश है।

सपा चीफ अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा जनगणना की अधिसूचना में जाति का कॉलम तक नहीं है, गिनेंगे क्या. जातिगत जनगणना भी बीजेपी का जुमला है. बीजेपी का सीधा फार्मूला है, न गिनती होगी, न आनुपातिक आरक्षण-अधिकार देने का जनसांख्यिकीय आधार बनेगा। जातिगत जनगणना न करना पीडीए समाज के खिलाफ भाजपाई साजिश है।

पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने आगे लिखा-आज बीजेपी पर भरोसा करने वाले अपने को ठगा हुआ ही नहीं बल्कि घोर अपमानित भी महसूस कर रहे हैं। बीजेपी में जो कार्यकर्ता व नेता अब तक जातिगत जनगणना करवाने का दावा कर रहे थे, वो अब अपने समाज में मुँह दिखाने लायक नहीं बचे. वो अब गले से भाजपाई पट्टा और घरों, दुकानों, वाहनों से बीजेपी का झंडा उतारने के लिए मजबूर हैं. पीडीए को अपने मान-सम्मान, आरक्षण और अधिकार की लड़ाई खुद लड़नी होगी।

### यूपी में चारों तरफ अराजकता

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने उत्तर प्रदेश को बर्बाद कर दिया है। महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार से आम जनता त्रस्त है। चारो तरफ अराजकता है भाजपा ने उत्तर प्रदेश का बहुत नुकसान किया है इसकी भरपाई में बरसों लग जाएगा। 2027 में लोकतंत्र के लिए समाजवादी पार्टी की सरकार बनना जरूरी है। विधानसभा चुनाव में एक भी वोट टस से मस नहीं होगा। जनता 2027 के चुनाव का इंतजार कर रही है। एक एक वोट साइकिल के चुनाव चिन्ह पर जाएगा। बुरे लोगों को हटाने के लिए अच्छे लोग एक साथ आ जाएं। नकारात्मक लोगों को हटाने के लिए सकारात्मक लोग एकजुट हो जाए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में अर्थव्यवस्था चौपट हो गई है। गरीब और गरीब होता जा रहा है। संपत्ति का केंद्रीयकरण हो गया है। कुछ पूंजी घरानों की संपत्ति में बेतहाशा वृद्धि हुई है। आम जनता प्रति व्यक्ति की आई नहीं बढ़ रही है। आम जनता अभाव में जीवन जीने पर मजबूर है।

### पीडीए भाजपा को परास्त करेगा

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से प्रदेश मुख्यालय में प्रदेश से विभिन्न जिलों से आये हुए उलमाओं और प्रमुख लोगों ने मुलाकात की और विभिन्न मुद्दों पर वार्ता की। श्री अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 2027 का विधानसभा चुनाव लोकतंत्र के लिए अग्नि परीक्षा है। भाजपा विधानसभा चुनाव में साजिश और षड्यंत्र करेगी। भाजपा में जनता के प्रति कोई ईमानदारी नहीं है। भाजपा सरकार पीडीए से नफरत करती है पी.डी.ए को अपमानित कर रही है। यही पीडीए भाजपा को परास्त करेगा। इस सरकार का अहंकार चरम पर है। बस समय आ गया है कि अहंकारियों का अस्तित्व नहीं बचेगा।

### बीजेपी का मतलब 'धोखा' लिख देना चाहिए

अखिलेश यादव ने आगे लिखा-अब जब विरोध होगा तो 'छलजीवी बीजेपी' फिर कहेगी ये टाइपिंग मिस्टेक हो गयी. बीजेपी अब इतनी बुरी तरह एक्सपोज हो गयी है कि सबको मालूम है कि अपने गलत मंसूबों के भंडाफोड़ होने के बाद आगे क्या करेगी. दरअसल ये भाजपाई चालाकी नहीं, भाजपाई बेशर्मी है. अब शब्दकोशों में 'वचन-विमुखी' बीजेपी का मतलब 'धोखा' लिख देना चाहिए।

# शंकराचार्य के अपमान पर कांग्रेस ने लगाए पोस्टर

## लिखा- जो गुरु का अपमान करेगा नरक में गिरेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रयागराज माघ मेले में शंकराचार्य को लेकर शुरू हुए विवाद पर सियासत भी तेज हो गई हैं। लखनऊ में कांग्रेस पार्टी शंकराचार्य के समर्थन में आ गई है। पार्टी के दफ्तर के बाहर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के समर्थन में पोस्टर लगाए गए हैं, जिसमें मौनी अमावस्या के दिन उनके बटुकों के साथ हुई मारपीट को दिखाया गया है। लखनऊ में कांग्रेस पार्टी के दफ्तर के बाहर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्नरानंद के समर्थन में होर्डिंग लगाया गया है।

ये होर्डिंग भारतीय युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं अयोध्या विधानसभा से जुड़े नेता शरद शुक्ला ने लगाया है। इसमें मौनी अमावस्या स्नान पर्व के लिए जा रहे शंकराचार्य और पुलिस प्रशासन के साथ हुए विवाद को दिखाया गया है। पोस्टर के एक तरफ स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की तस्वीर है और दूसरी तरफ कथित रूप से छोटे ब्राह्मणों की शिखा खींचे जाने की तस्वीर लगाई गई है। जिसमें बटुक हाथ जोड़कर प्रार्थना करते दिख रहा है। इस पोस्टर में श्रीरामचरितमानस की चौपाई जाको प्रभु दारुण दुख देही, ताकी मति पहले हर लेही का उल्लेख करते हुए पूरे प्रकरण पर सवाल खड़े किए गए हैं।

### बटुक की चोटी खींचते तस्वीर लगाई

इन पंक्तियों का अर्थ है कि जिस व्यक्ति को भगवान बहुत बड़ा, असहनीय दुख देना चाहते हैं उसकी समझ-बूझ पहले ही छीन लेते हैं ताकि वो गलत निर्णय लेकर अपने दुख का कारण स्वयं ही बन जाएं. इसके साथ ही शंकराचार्य के साथ लिखा गया है कि जो गुरु या वेदाचार्य का अपमान करता है वो भयानक नरक में गिरता है।

# महारैलियों के जरिये अपनी बात रखेगी कांग्रेस : अजय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने बताया कि पार्टी इन महारैलियों के जरिए पंचायत और विधानसभा चुनाव के लिए अपनी बात रखेगी। उन्होंने बताया कि सीतापुर के बाद आगरा में रैली होगी। फिर एक फरवरी को लखनऊ और आठ फरवरी को वाराणसी में महारैली की तैयारी चल रही है। इसी तरह 14 फरवरी को अलीगढ़, 16 फरवरी को सहारनपुर, 28 फरवरी को रामपुर, 12 मार्च को लखीमपुर खीरी, 22 मार्च को बदायूं, 29 मार्च को बाराबंकी, 31 मुजफ्फरनगर और पांच अप्रैल को बागपत में महारैली प्रस्तावित करते तैयारी की जा रही है। प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए प्रदेशभर में होने वाली महारैली की शुरुआत शनिवार को सीतापुर से हो रही है। अलग-अलग मंडलों में होने वाली 30 महारैलियों में कुछ स्थानों पर सांसद राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को भी आमंत्रित किया गया है।

# मेरे खिलाफ साजिश हो रही : अपर्णा यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इंस्टाग्राम पोस्ट में पत्नी अपर्णा यादव से तलाक संबंधी पोस्ट पर प्रतीक यादव अब तक खामोश हैं। हालांकि, एक टीवी चैनल से उन्होंने पारिवारिक मामला बताकर कुछ भी कहने से इन्कार कर दिया। उधर, अपर्णा यादव (महिला आयोग की उपाध्यक्ष) ने कहा कि रिश्ता तोड़ने की साजिश रची जा रही है। उनकी पहचान कर ली गई है। जल्द इसका खुलासा करेंगे।

» प्रतीक बोले- पारिवारिक मामला

बता दें कि इंस्टाग्राम अकाउंट पर 19 जनवरी को पोस्ट कर अपर्णा से तलाक लेने की बात लिखी गई थी। इसी दिन कई स्टेटस भी लगाए गए। अब एक टीवी चैनल से प्रतीक ने कहा है कि ये उनका पारिवारिक मामला है। लिहाजा, वह इस पर कोई बात नहीं करना चाहते हैं। दूसरी तरफ अपर्णा ने भी एक न्यूज चैनल से दो दिन पहले कहा कि सामाजिक व राजनीतिक सक्रियता की वजह से उनके परिवार को निशाना बनाया जा रहा है। इससे वह डरने वाली नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जब कोई दबाव में नहीं आता तो उसको बदनाम करने की साजिश की जाती है। इस मामले में उनसे बात करने का प्रयास किया गया तो उनकी पीए ने बताया कि अपर्णा उत्तराखंड में प्रवास पर हैं। फिलहाल वह इस बारे में कोई बात नहीं करना चाहतीं।

# एनडीए के भीतर स्पष्ट दरार उजागर: सिद्धरमैया

## कर्नाटक के मुख्यमंत्री बोले- बीवीरामजी पर चंद्रबाबू नायडू के चिंता जताने संबंधी खबरें कर रहीं इशारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू द्वारा 'वीबी-जी राम जी' अधिनियम के वित्तपोषण संरचना पर चिंता जताने की खबरें राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हैं और केंद्र-राज्य संबंधों पर इसके प्रभाव पड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि ये चिंताएं इसलिए महत्वपूर्ण हो गईं क्योंकि ये भाजपा के एक प्रमुख सहयोगी दल की ओर से आई हैं, जिसका समर्थन नरेन्द्र मोदी सरकार के लिए बेहद जरूरी है।'

नायडू ने नये ग्रामीण रोजगार कानून को लागू करने के लिए राज्य के वास्ते सहायता मांगी' शीर्षक वाले एक समाचार लेख को साझा करते हुए सिद्धरमैया ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि 'वीबी-जी राम जी' अधिनियम को निरस्त किया जाना चाहिए और मनरेगा अधिनियम को आवश्यक सुधारों के साथ बहाल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू द्वारा वीबी-जी राम जी अधिनियम के कार्यान्वयन को लेकर केंद्र सरकार के समक्ष चिंता व्यक्त करने की खबरें - विशेष रूप से वित्त पोषण के बदले हुए स्वरूप और राज्यों पर पड़ने वाले अतिरिक्त बोझ के संबंध में - राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हैं और केंद्र-राज्य संबंधों के लिए इसके दूरगामी परिणाम होंगे। सिद्धरमैया ने दावा किया कि कांग्रेस पार्टी और कर्नाटक समेत विपक्षी शासित राज्यों ने कई बार चेतावनी दी है कि 'वीबी-जी राम जी' अधिनियम राज्यों पर वित्तीय जिम्मेदारी डालकर सहकारी संघवाद को कमजोर करता है। उन्होंने कहा, ''भाजपा के एक सहयोगी दल द्वारा अब इन चिंताओं को दोहराना राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के भीतर एक स्पष्ट दरार को उजागर करता है और इस कानून के प्रति भाजपा के बचाव को कमजोर करता है।

# पार्टी विद डिफरेंस में अब झोल ही झोल

## उत्तर प्रदेश में जीरो टॉलरेंस नीति पर सवाल

- अपनी ही सरकार पर बरस रहे नेता
- योगी राज में भूमाफियों के हौसले बुलंद
- राजधानी लखनऊ में ग्राम समाज की करोड़ों की जमीन पर कब्जा

मो. शारिक/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा सरकार में बातें बड़ी हो रही हैं, पर हकीकत कुछ है। उसके कुछ कामों को तो जहां जनता गलत बता रही है वहीं उसके अपने नेता भी उसके खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। इसी क्रम में यूपी की राजधानी लखनऊ के एक भाजपा पार्षद ने अपनी सरकार के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं।

उधर एक आपराधिक मामले में भाजपा से जुड़ा एक पूर्व प्रवक्ता पकड़ा गया है। जिसके बाद से सोशल मीडिया पर बीजेपी के खिलाफ लोग मुखर हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश में जीरो टॉलरेंस नीति और भूमाफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई के दावों के बीच लखनऊ के सरोजनीनगर तहसील से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां वार्ड इब्राहिमपुर प्रथम स्थित ग्राम हरिहरपुर की ग्राम समाज की करोड़ों रुपये मूल्य की सरकारी जमीनों पर भूमाफियाओं द्वारा फर्जी पट्टे कराकर अवैध कब्जा और धड़ल्ले से प्लाटिंग कर निर्माण कार्य कराए जाने का आरोप लगा है।

### स्थानीय लोग भी परेशान

स्थानीय केशव मिश्रा का कहना है कि उन्होंने भी कई बार प्रशासन से शिकायत की, लेकिन उनकी आवाज अनसुनी कर दी गई। नतीजा यह है कि ग्राम समाज की करोड़ों रुपये की सरकारी जमीन पर लगातार कब्जा होता जा रहा है और अवैध निर्माण तेजी से फैल रहा है।

### भाजपा पार्षद बृजमोहन प्रशासन पर बरसे

इस पूरे मामले को लेकर भाजपा पार्षद बृजमोहन शर्मा ने प्रशासन पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। पार्षद के अनुसार ग्राम हरिहरपुर की जिन जमीनों पर अवैध कब्जा किया गया है, वे खसरा संख्या 410, 411, 413, 425, 426, 427, 433, 632स, 867 व 870 हैं, जो राजस्व अभिलेखों में उसार के रूप में दर्ज हैं। आरोप है कि इन जमीनों को तहसील के कथित भ्रष्ट अधिकारियों और ग्राम प्रधान की मिलीभगत से फर्जी तरीके से क्षेत्र के बाहर रहने वाले लोगों के नाम पट्टे पर चढ़ाया गया। इसके बाद 24 अक्टूबर 2024 को इन जमीनों को असंक्रमणीय भूमिधर से संक्रमणीय भूमिधर दर्ज कराकर अवैध रूप से प्लाटिंग शुरू कर दी गई। पार्षद ने आरोप लगाया कि राजस्व लेखपाल दिनेश की मिलीभगत से तहसील में धारा 80 की कार्यवाही कराकर इन सरकारी जमीनों को बाजार में बेचने का प्रयास किया जा रहा है। स्थिति यह है कि इन जमीनों पर बड़े-बड़े रो-हाउस, होटल और व्यावसायिक भवन खड़े किए जा रहे हैं, जबकि नगर निगम की जमीनें भूमाफियाओं के हाथों खुलेआम बेची जा रही हैं।

### आम्रपाली एक्सप्रेस ट्रेन लूट मामले में पूर्व भाजपा प्रवक्ता निकला ठगी का मास्टर माइंड

आम्रपाली एक्सप्रेस में हुई लूट और पैसे ठगने का मुख्य आरोपी पूर्व भाजपा प्रवक्ता ही निकला। जीआरपी की विशेष टीम मास्टर माइंड पंकज कुमार व उसके दो साथियों को लेकर रविवार रात को अंबाला पहुंच गई। तीनों आरोपियों को गहन सुरक्षा के बीच रखा गया है। वहीं, तीनों आरोपियों को समस्तीपुर से 48 घंटे के रिमांड पर लिया गया है जोकि शुक्रवार को खत्म हो जाएगा, इससे पहले जीआरपी तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश करके रिमांड पर लेगी ताकि अन्य सहयोगियों और नकली नोट के फैले जाल की जानकारी जुटा सके। जीआरपी टीम पर दबाव बनाने और बाहुबली को छुड़वाने के लिए गांव के लगभग 50 से अधिक लोगों ने घेरा बना लिया था और सभी टीम पर हमले की चेतावनी दे रहे थे। हालात बिगड़ते देखकर टीम प्रभारी हरीश कुमार ने मामले की जानकारी उच्च अधिकारियों को देकर अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर बुलाया और बाहुबली को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान यह भी सामने आया कि आरोपी पंकज कुमार ने सोशल मीडिया पर देश के प्रतिष्ठित लोगों के साथ फोटो भी अपलोड की हुई थीं ताकि कोई उस तक पहुंच न बना पाए। प्राथमिक पूछताछ में खुलासा हुआ है कि पंकज कुमार ने पंजाब के व्यापारियों को पैसे से भरे बैग तो दिए ही, साथ ही उनकी सुरक्षा को लेकर दो कर्मचारी भी साथ भेजे ताकि पैसों के संबंध में कोई पूछताछ न हो सके, लेकिन करनाल स्टेशन के पास ही एसटीएफ बनकर आई टीम ने बैग जब्त कर लिए और मौके से खिसक गए। जब तक पीड़ित व्यापारी को इसकी भनक लगती तब तक बैग लेकर आरोपी फरार हो चुके थे।

> लखनऊ विकास प्राधिकरण को पत्र बनाकर भेजा गया है सभी घाटा संख्या को चेक कराया जाएगा। बीते पूर्व दिनों में कुछ जमीनों पर बाउंड्री वाल का निर्माण किया जा रहा था जिसके ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई थी।
>
> पंकज श्रीवास्तव, अपर नगर आयुक्त

### बड़े-बड़े अधिकारियों से शिकायत भी काम न आई

बृजमोहन शर्मा ने बताया कि उन्होंने इस घोटाले की शिकायत की। उपजिलाधिकारी, जिलाधिकारी, मंडलायुक्त, नगर आयुक्त और लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष तक की, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ औपचारिकताएं हुईं। हालांकि, कुछ समय पूर्व मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने शिकायत का संज्ञान लेकर कार्रवाई की थी, मगर इसके बाद तहसील स्तर पर कथित मिलीभगत के चलते भूमाफियाओं के हौसले और बुलंद हो गए। आरोप है कि इस मामले में गोसाईगंज थाने में एफआईआर भी दर्ज है, लेकिन वह अब तक ठंडे बस्ते में पड़ी है। न कोई गिरफ्तारी हुई और न ही अवैध निर्माण रोका गया, जिससे प्रशासनिक संरक्षण की आशंका और गहरी हो गई है।

# राहुल गांधी फिर पूरे तेवर में

## रायबरेली से लेकर पंजाब तक दौरे पर

- कांग्रेस सांसद ने लगाई नेताओं की क्लास
- चन्नी के बयान पर जताई नाराजगी
- नहीं बदला जाएगा पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष
- मप्र, उत्तराखंड व हरियाणा के नेताओं को सीख
- पंजाब के नेताओं की बैठक ली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। कांग्रेस नेता राहुलगांधी एकबार फिर सक्रिय हो गए है। एक तरफ जहां वह मोदी सरकार पर हमलावर हैं। वहीं वह अपनी पार्टी को मजबूती देने के लिए अपने संसदीय क्षेत्र से लेकर मप्र, हरियाणा तक के दौर कर रहे हैं। इसमें वह कार्यकर्ताओं को संगठन की सीख दे रहे हैं।

पंजाब कांग्रेस में विधानसभा चुनाव से पहले सीएम फेस व मुख्य पदों पर लोअर-अपर कास्ट के प्रतिनिधित्व पर छिड़ा कलह हाईकमान तक पहुंच गया है। नई दिल्ली में वरिष्ठ नेता राहुल गांधी व राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पंजाब के नेताओं की बैठक ली। इस दौरान हाईकमान ने पंजाब के नेताओं को स्पष्ट कर दिया है कि पंजाब में कोई नेतृत्व परिवर्तन नहीं होगा। यानी पंजाब प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह वड़िंग बने रहेंगे। इसके अलावा पार्टी में गुटबाजी भी बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी के बयान पर नाराजगी भी जताई।

### पंजाब में नेतृत्व परिवर्तन का कोई सवाल ही नहीं : वेणुगोपाल

बैठक के बाद कांग्रेसी नेता वेणुगोपाल ने कहा कि पंजाब में नेतृत्व परिवर्तन का कोई सवाल ही नहीं है। हाईकमान ने सार्वजनिक रूप से कोई भी विचार व्यक्त करने के खिलाफ सख्त निर्देश भी जारी किए हैं, जिन्हें केवल हाईकमान के सामने ही उठाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, नेताओं से पूरी तरह अनुशासन बनाए रखने और मीडिया या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ऐसे मुद्दों पर बयान जारी न करने को कहा गया है। पार्टी ने नेताओं को विवादित बयानों से बचने के लिए स्पष्ट निर्देश दिए हैं।

### नेता अपनी व्यक्तिगत क्षमता से हाईकमान में किसी से भी मिलने के लिए स्वतंत्र हैं

पंजाब के लगभग 30 नेताओं द्वारा हाईकमान से मिलने का समय मांगने के एक सवाल पर उन्होंने कहा, नेता अपनी व्यक्तिगत क्षमता से हाईकमान में किसी से भी मिलने के लिए स्वतंत्र हैं मगर हाईकमान ने स्पष्ट रूप से कह दिया है कि किसी भी कीमत पर गुटबाजी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दलितों के प्रतिनिधित्व पर पूछे सवाल के जवाब में वेणुगोपाल ने कहा, पार्टी देश भर में एससी, एसटी और सामान्य जातियों के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों सहित समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों को उचित प्रतिनिधित्व देने के लिए प्रतिबद्ध है।

### गुटबाजी और अनुशासनहीनता से बचने की हिदायत

तीन घंटे चली बैठक के दौरान राहुल और खरगे ने सभी वरिष्ठ नेताओं की बात सुनी और उनसे आह्वान करते हुए कहा कि पंजाब की जनता चाहती है कि सूबे में कांग्रेस सरकार बने मगर ऐसी गुटबाजी और अनुशासनहीनता रही तो यह मुश्किल हो जाएगी। लिहाजा एकजुटता के साथ आगे बढ़ना होगा।

### पंजाब में सभी एकजुटता के साथ आगे बढ़ेंगे और सरकार बनाएंगे : बघेल

भूपेश बघेल ने कहा कि पंजाब में सभी एकजुटता के साथ आगे बढ़ेंगे और सरकार बनाएंगे। बैठक के दौरान पंजाब के प्रभारी महासचिव भूपेश बघेल, वरिष्ठ नेता अंबिका सोनी प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, कांग्रेस महासचिव सुखजिंदर सिंह रंधावा, राणा केपी सिंह, विजय इंदर सिंगला और डॉ. अमर सिंह शामिल हुए।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

## जिद... सच की

# नोएडा हादसा स्मार्ट सिटी पर जोरदार तमाचा

*प्रदेश की स्मार्ट सिटी प्रेज़ेंटेशन और योजनाओं में भविष्य की तस्वीर दिखाते हैं, लेकिन जमीन पर उतरते ही स्मार्ट शब्द अपनी चमक खो रहा है। इसका जीता जागता उदाहरण नोएडा की वो घटना है जिसमें एक नवजवान अपनी जान से हाथ धो बैठा। भाजपा की ट्रिपल इंजन की सरकार बड़ी-बड़ी बातें करती है। पर वह न तो गड्ढे भरवा रही है न ही भर पा रही है। बस केवल प्रचार में स्मार्टनेस दिखाई देती है। शहरों में टूटी सड़कें, उड़ती धूल, जाम में फंसी जिंदगी और जहरीली होती हवाज्यही इन शहरों की रोजमर्रा की पहचान बनती जा रही है। राजधानी तक की स्थिति सबसे ज्यादा चिंताजनक है। एक ओर करोड़ों रुपए के फ्लाईओवर, एलिवेटेड रोड और सीवरेज प्रोजेक्ट्स की घोषणाएं हैं, दूसरी ओर सड़कों पर गड्ढों की ऐसी श्रृंखला कि वाहन नहीं, धूल और प्रदूषण तेजी से दौड़ते हैं। हालात यह हैं कि शहर का एक्यूआई मानक के पार जा चुका है। विशेषज्ञ साफ कह रहे हैं कि 80 फीसदी प्रदूषण का कारण सड़कों की धूल है। यानी खराब इंफ्रास्ट्रक्चर सीधे लोगों की सांसों पर हमला कर रहा है।*

*विडंबना यह है कि यह समस्या अचानक पैदा नहीं हुई। कहीं बिजली-पानी की लाइन डालने के बाद सड़क की मरम्मत नहीं, कहीं सीवर लाइन डालने के दो साल बाद भी सड़क अधूरी पड़ी हैं। रोड स्वीपिंग के नाम पर केवल औपचारिकता। नतीजा, वाहनों के साथ उड़ती धूल, आंखों में जलन, सांस की बीमारी और अस्पतालों में बढ़ती भीड़। क्या यही स्मार्ट सिटी का हैल्दी मॉडल है? दूसरी ओर, आंकड़े बताते हैं कि इन चारों स्मार्ट शहरों में पिछले कुछ वर्षों में सड़कों, ड्रेनेज, सीवरेज और स्मार्ट सिटी योजनाओं पर हजारों करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। सवाल यह है कि इसका नतीजा क्यों नहीं दिखता? असली समस्या विभागों के बीच तालमेल की कमी है। एक विभाग सड़क बनाता है, दूसरा उसे तोड़ देता है। न्यू नार्मल के नाम पर सड़न बढ़ती जा रही है। शहरों को सिग्नल-फ्री सिटी घोषित किया जाता है पर अतिक्र मण और अव्यवस्थित ट्रैफिक ने उस प्रयोग को मजाक बना दिया है। सड़क, ड्रेनेज और यातायात की समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं। स्मार्ट सिटी की मूल अवधारणा-सुव्यवस्थित प्लानिंग, बेहतर जीवन गुणवत्ता और टिकाऊ विकास यहां कहीं नजर नहीं आती। असल में, हमारे शहर 'रिएक्टिव मोड' में चल रहे हैं। सड़कें बोझ से दबती हैं तो एलिवेटेड रोड बना देते हैं। बारिश में जलभराव होता है तो नाले साफ करा देते हैं। मास्टर प्लान, मास्टर ड्रेनेज प्लान और भविष्य की जरूरतों पर गंभीरता से काम ही नहीं होता। शहर फैल रहे हैं, लेकिन बुनियादी सुविधाएं उस रफ्तार से नहीं पहुंच रहीं। स्मार्ट सिटी का मतलब केवल चमकते फ्लाइओवर और हाई-टेक साइनबोर्ड नहीं, बल्कि साफ हवा, सुरक्षित सड़कें और सुगम जीवन है।*

**शहरों में टूटी सड़कें, उड़ती धूल, जाम में फंसी जिंदगी और जहरीली होती हवाज्यही इन शहरों की रोजमर्रा की पहचान बनती जा रही है। राजधानी तक की स्थिति सबसे ज्यादा चिंताजनक है। एक ओर करोड़ों रुपए के फ्लाईओवर, एलिवेटेड रोड और सीवरेज प्रोजेक्ट्स की घोषणाएं हैं, दूसरी ओर सड़कों पर गड्ढों की ऐसी श्रृंखला कि वाहन नहीं, धूल और प्रदूषण तेजी से दौड़ते हैं।**

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# चुनौतीपूर्ण दौर में रणनीतिक समझौतों की अनिवार्यता

गुरबचन जगत

यूएई के राष्ट्रपति का दिल्ली दौरा और हमारे प्रधानमंत्री के साथ उनकी बातचीत, बगल के पड़ोसी के साथ हमारे ठंडे पड़े रिश्तों के बीच ताजी हवा के झोंके जैसा है। अब हमारी निगाह यूरोपियन यूनियन के साथ सब समझौतों की जननी (मदर ऑफ ऑल डील्स) पर लगी है जिसके गणतंत्र दिवस तक संपन्न होने की उम्मीद है। यह समझौता यूरोपियन यूनियन के साथ हमारे संबंधों को नई गति देगा। जिस नई विश्व व्यवस्था की ओर आगे बढ़ रहे हैं, उसके मद्देनजर द्विपक्षीय संबंधों और मुक्त व्यापार समझौतों का विस्तार करना और भी जरूरी हो गया है। अमेरिका उत्तरोतर संरक्षणवादी बनता जा रहा है और पिछली व्यवस्था के बहुत से प्रावधानों को चुनौती दे रहा है। कनाडा के प्रधानमंत्री ने चीन के अपने हालिया दौरे में चीन के साथ व्यापार समझौते का मसौदा तैयार करते वक्त यही बात कही थी।

यह देखते हुए कि हमारे दुश्मन देश हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठे, रक्षा/सुरक्षा समझौतों और व्यापार गठबंधनों की जरूरत और भी अपरिहार्य बन गई है। जरूरी है कि सत्ता में बैठे लोग इस पर आत्म-मंथन करें। क्या महज इस तथ्य के आधार पर कि हमारी अर्थव्यवस्था बहुत विशाल है और हमारा व्यापार भी बहुत ज्यादा है, उससे हम अपने पड़ोसी पर अजेयता का अहसास करने लगें? तो यह भी पूछा जाए कि पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान को व्हाइट हाउस, पेंटागन, बीजिंग, रियाद, अंकारा आदि में इतना सम्मान क्यों मिल रहा है? पाकिस्तान को चीन से आर्थिक और सैन्य सहायता मिली है। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीनी हथियारों ने प्रदर्शन किया, भले ही चीन के साथ हमारा व्यापार 150 बिलियन डॉलर से ज्यादा है, जबकि इसकी तुलना में पाकिस्तान और चीन का द्विपक्षीय व्यापार लगभग 15-20 बिलियन डॉलर है। लेकिन उनके पास सीपीईसी (चीन-पाक आर्थिक गलियारा) है जो ग्वादर बंदरगाह के साथ, मध्य पूर्व और यूरोप के लिए चीनी बेल्ट एंड रोड पहल (बीआरआई) का प्रवेश द्वार है।

पाकिस्तान ने शक्सगाम घाटी (पाक अधिकृत कश्मीर में) चीन को सौंप दी थी (जिस पर हमें ऐतराज है) और जहां से होकर काराकोरम राजमार्ग गुजरता है (जो बीआरआई का अहम हिस्सा है) और यह दोनों देशों के प्रगाढ़ रणनीतिक भाईचारे को दर्शाता है। दूसरी ओर, चीन के साथ हमारा सीमा विवाद है, और चीनी लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों पर दावा करते हैं। इसके मद्देनजर अंदाजा लगा सकते हैं

कि पाकिस्तानी शस्त्रागार में पूर्ववत आर्थिक व सैन्य मदद आती रहेगी। इसके अलावा, उन्होंने अब सऊदी अरब के साथ एक सुरक्षा समझौता किया है जो जरूरत पड़ने पर उन्हें मदद का आश्वासन देता है। एक नए प्रस्तावित त्रिपक्षीय गठबंधन में तुर्की को पाकिस्तान और सऊदी अरब के साथ मिलकर मिनी-नाटो जैसा गठबंधन बनाने की उम्मीद है। याद रखें कि पाकिस्तान के साथ हालिया टकराव के दौरान तुर्की ने ही एकजुटता दिखाने के लिए अपना एक युद्धपोत भेजा था, और कथित तौर पर लड़ाई में उसके बनाए ड्रोनों का भी इस्तेमाल किया गया था। यहां भी, भारत-सऊदी द्विपक्षीय व्यापार 40 बिलियन डॉलर से ज्यादा है, जबकि पाक-सऊदी व्यापार सिर्फ 5 बिलियन डॉलर...फिर भी उनके बीच रक्षा समझौता है। पाकिस्तान लंबे समय से सऊदी अरब को उसकी सुरक्षा जरूरतों के लिए सैनिक मुहैया करवाता रहा है और इस बात पर ध्यान देना जरूरी है कि वह एकमात्र इस्लामिक देश है जिसके पास परमाणु क्षमताएं हैं। हाल ही में इस्राइल द्वारा कतर में और अमेरिका द्वारा ईरान पर बमबारी को देखते हुए लगता है कि तुर्की, पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच सुरक्षा समझौते के पीछे भू-राजनीतिक मजबूरियां हैं। अल जजीरा के एक हालिया लेख के अनुसार, पाकिस्तान एशिया और अफ्रीका के कई देशों को फाइटर जेट बेचने जा रहा है। जेएफ-17 लड़ाकू जेट चीन और पाकिस्तान के संयुक्त उपक्रम में बनाए जा रहे हैं, और इसके नवीनतम ब्लॉक 3 वेरिएंट को 4.5 जेनरेशन के लड़ाकू विमान के रूप में वर्गीकृत किया गया है। 25-30 मिलियन डॉलर की अपेक्षाकृत कम कीमत के साथ इसे कई वायु सेनाओं द्वारा आकर्षक विकल्प माना जा रहा है।

यह देखते हुए कि भू-राजनीतिक ताकतें खेल कर रही हैं जो केवल व्यापारिक संबंधों पर हावी हो रही हैं, जब तक हम एक सशक्त सक्रिय नीति नहीं अपनाते, हम खुद को उतरोत्तर अलग-थलग पड़ते पा सकते हैं। अमेरिका अभी भी बड़ी समस्या बना हुआ है, और उसने हाल ही में फिर से इस्लामाबाद की ओर नर्मी भरा रुख अपनाया है। मामलों को और जटिल बनाने के लिए, अमेरिकी टैरिफ और प्रतिबंधों का खतरा हमारे सिर पर मंडरा रहा है। इसके परिणामस्वरूप न केवल हमारे निर्यात में मंदी आई, बल्कि रूस से हमारे तेल आयात में भी भारी कमी करनी पड़ी है।

# संपत्ति में हक व स्वावलंबन से महिला सशक्त बने

डॉ. जगमती सांगवान

वर्ष 2025 में हरियाणा के बढ़े हुए लिंग अनुपात की खबर सुखद है परंतु विवेक इसके टिकाऊपन व इस रास्ते से उत्तरोत्तर सुधार पर भरोसा नहीं कर पा रहा। आर्थिक स्तर पर प्रगतिशील परंतु सामाजिक स्तर पर बीमारू की कैटेगरी में गिने जाने वाले राज्य में जन्म स्तर पर लगभग आधे जिलों में सुधार का होना एक स्वागतयोग्य कदम है। वैसे जिन प्रावधानों पर विशेष ध्यान देकर इस वृद्धि को हासिल किया गया है उनकी प्रवृत्ति अस्थिर होती है। महिलाओं की आर्थिक स्थिति व सामाजिक मानसिकता में मूलभूत बदलाव की अनुपस्थिति में केवल तकनीकी आदि माध्यमों से हासिल इस बढ़ोतरी के भी कई यक्ष प्रश्न हैं।

गर्भवती महिलाओं की निगरानी, एमटीपी किट बेचने वाले दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई तथा अल्ट्रासाउंड मशीनों की निगरानी और प्रशासन की तरफ से वीकली मॉनिटरिंग वे मुख्य माध्यम हैं, जिनके आधार पर इस बढ़ोतरी के हासिल करने के दावे किए जा रहे हैं। लेकिन यह बढ़ोतरी अत्यधिक चंचलता लिए हुए नजर आती है। यहां तक कि केवल अफसरशाही के स्तर पर थोड़ा फेरबदल भी इस बढ़ोतरी के लिए चुनौती बन सकता है। दूसरी तरफ गर्भवती महिलाओं की निगरानी को उनके मानवीय अधिकारों का उल्लंघन व उनकी शारीरिक आजादी पर अंकुशीकरण की तरह से भी अवश्य ही देखा जाएगा। आशा-वर्करों द्वारा करवाई जा रही गर्भवती महिलाओं की निरंतर निगरानी स्वयं उनके लिए भी भारी जोखिमपूर्ण काम है। आंगनबाड़ी वर्कर भी लिंग अनुपात को लेकर अधिकारियों की तरफ से बढ़े-चढ़े आंकड़े दिखाने का दबाव का जिक्र करती हैं। हकीकत यह भी है कि लिंगानुपात को लेकर सबसे भरोसेमंद आंकड़े तो जनगणना से उभर कर आने वाले ही आंकड़े होते हैं। हरियाणा स्थापना पूर्व से ही इस समस्या से जूझता रहा है। 2001 की जनगणना में हरियाणा लिंगानुपात के हिसाब से सबसे खराब राज्यों में 861:1000 के अनुपात पर था। 2011 में भी यह मामूली सुधार के साथ 879:1000 के काफी खराब स्तर पर रहा।

2015 में हरियाणा से ही 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान की शुरुआत हुई। लड़कियों व उनके परिजनों को कई तरह से आर्थिक सहयोग की स्कीमें शुरू की गई। प्रचार-प्रसार से राज्य की तमाम एजेंसियों का ध्यान इस ओर खींचा गया। अनेक स्तर पर सरकारी पहल पर आयोजित बड़े-बड़े प्रोग्रामों का स्वयं लेखिका भी हिस्सा रही। फलस्वरूप 2019 में हरियाणा का लिंग अनुपात बढ़ते हुए (एसआरबी) 923 से अधिक दर्ज हुआ। परंतु इसके बाद इसमें गिरावट दर्ज की गई और 2024 में यह लिंगानुपात घटकर 910 पर आ गया। 2025 में इसके फिर अब तक के अधिकतम स्तर 930:1000 पर पहुंचने का दावा किया जा रहा है, जो राष्ट्र स्तर के अनुपात 933 के लगभग आसपास पहुंचा हुआ है। लगता है 2024 के बाद प्रशासनिक स्तर पर पीसीपीएनडीटी एक्ट को लागू करने के प्रयास अभूतपूर्व तरीके से किए गए, जिसमें अकेले 2025 में ही 154 एफआईआर दर्ज की गई।

नतीजों के हिसाब से पंचकूला 971, फतेहाबाद 961 व पानीपत 951 पर पहुंचा है। प्रशासन ने गैर-कानूनी तरीके से गर्भपात की दवाइयां बेचने वालों, पड़ोसी राज्यों में जाकर गर्भपात करवाने वालों, अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर छापामारी तथा गर्भवती महिलाओं की आईडी बनाकर उनकी निगरानी आदि कार्रवाइयां व्यापक पैमाने पर की गई। परंतु समस्या को समूल समझते हुए समग्रता पूर्ण तरीके से उसका निवारण करने की चुनौती दरपेश है। हमारे समाज में पुत्र लालसा बहुत गहरी जड़ें जमाए हुए है। हाल ही में फतेहाबाद व जींद जिला के उदाहरण जहां लड़के के लिए परिवार वालों ने दस-दस लड़कियां पैदा कीं और ग्यारहवीं सन्तान लड़का होने पर उसका नाम 'खुशदिल' रखना इसके ताजा उदाहरण हैं। इसके ठोस कारण भी हैं। मसलन महिलाओं को संपत्ति में अधिकार न होना, जिसकी वजह से उन्हें बोझ व पराया धन समझने की प्रवृत्ति बनती है। पितृ सत्तात्मक समाजों में पुत्र ताकत का प्रतीक है। वंश धारक, मां-बाप को मुखाग्नि देने वाला व बुढ़ापे का सहारा माना जाता है। लड़कियों की असुरक्षा व दहेज हिंसा आमतौर पर लड़की भ्रूण हत्या के मुख्य कारण उभर कर आते हैं। कुछ तबकों को छोड़कर हमारा समाज न तो दहेज प्रथा को खत्म करने के लिए इसके खिलाफ लड़ता नजर आता है और न ही महिलाओं के प्रति होने वाली हिंसा के खिलाफ आवाज उठाता है।

इस असहाय समर्पणकारी मानसिकता के खिलाफ सामाजिक सक्रियता को हासिल करने के जनजागरण अभियान चलाने होंगे। दहेज के खिलाफ और महिलाओं की सुरक्षा के लिए तमाम संस्थाओं को संघर्ष करना होगा। शादियों पर खर्च कम होने की बजाय और बढ़ता ही जा रहा है। जिम्मेवार पदों पर बैठे लोगों के खिलाफ महिला यौन हिंसा के आरोप लगने पर सख्त से सख्त सजा सुनिश्चित करवानी होगी। वक्त की मांग है महिलाओं को संपत्ति में अधिकार व ज्यादा से ज्यादा रोजगार देना होगा। मगर इस पर राज्य मशीनरी की इच्छा शक्ति की कमी है। जिन राज्यों में महिलाओं को संपत्ति में बराबर अधिकार दिया जाता है, वहां महिलाओं की जनसंख्या पुरुषों की अपेक्षा ज्यादा ही है। हरियाणा के मुस्लिम बहुल मेवात में भी लिंग अनुपात बेहतर है। दूसरी तरफ हरियाणा में महिलाएं शिक्षा, खेल, कला, साहित्य आदि हर जगह जितने मौके मिल रहे हैं उससे अच्छा करके दिखा रही हैं। फिर भी अनचाही बनी हुई हैं। यह जो विरोधाभास है इसे खत्म करने के लिए भी इसी प्रकार संयुक्त रणनीति बनाकर सरकार, प्रशासन व सामाजिक संस्थाओं को संकल्प के साथ मैदान में उतरना होगा।

## भाप लेने का सही तरीका

सर्दी-जुकाम या एलर्जी होने पर ज्यादातर लोग भाप लेना पसंद करते हैं। घर पर आसान और तुरंत राहत देने वाली यह विधि लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है, लेकिन इसका सही तरीका न अपनाने पर फायदे की जगह नुकसान भी हो सकता है? इसलिए भाप लेने के लिए एक बड़े बर्तन में पानी उबालें, लेकिन बहुत उबाल न करें। उसमें तुलसी के पत्ते (8-10) और एक चम्मच अजवाइन डालें। सिर को तौलिये से ढक कर, भाप को गहराई से अंदर लें। यह प्रक्रिया दिन में 2-3 बार करें और कम से कम 5 मिनट के लिए करें। इस बात का ध्यान रखें एक बार में अधिकतम 10-12 मिनट ही करें। छोटे बच्चों को डॉक्टर की सलाह पर ही भाप दें।

## संक्रमण से लड़ने में सहायक

तुलसी के पत्तों में पाए जाने वाले प्राकृतिक एंटी-वायरल और एंटी-बैक्टीरियल गुण सर्दी-जुकाम के संक्रमण को कम करने में सहायक होते हैं। भाप के जरिए ये गुण सीधे श्वसन प्रणाली में प्रवेश करते हैं और संक्रमण फैलाने वाले सूक्ष्मजीवों से लड़ते हैं। हवा में मौजूद धूल या प्रदूषण से होने वाली खुजली और गले की खराश कम होती है।

# सर्दी-जुकाम में तुलसी-अजवाइन के पानी का भाप लेने से मिलेगी राहत

## बंद नाक के लिए रामबाण

बंद नाक से सांस लेना मुश्किल हो जाता है। इस समस्या के कारण नींद में खलल पड़ता है और दिनभर असहजता महसूस होती है। लेकिन आयुर्वेद में बंद नाक को खोलने के कई सरल और प्रभावी उपाय दिए गए हैं, जो आपको तुरंत राहत दिला सकते हैं। बंद नाक खोलने का सबसे पुराना और प्रभावकारी उपाय भाप लेना है। इसके लिए तुलसी और अजवाइन के पानी की गर्म भाप बंद नाक और छाती के कंजेशन को खोलने में तुरंत मदद करती है। अजवाइन में मौजूद थाइमोल वाष्पशील तेल होते हैं, जो सीधे सांस की नलियों तक पहुंचते हैं, जिससे आप सांस लेने में अच्छा महसूस करते हैं।

## सिरदर्द और साइनस के दर्द में राहत

सर्दी-जुकाम या बंद नाक के कारण अक्सर सिरदर्द और साइनस का दर्द होने लगता है। तुलसी और अजवाइन के गर्म वाष्प साइनस कैविटी को खोलते हैं और सिर में ब्लड सर्कुलेशन को सुधारते हैं, जिससे सिरदर्द से तुरंत राहत मिलता है।

सर्दियों के मौसम में सर्दी-जुकाम, गले में खराश और नाक का बंद होना एक आम समस्या बन जाती है। ऐसे में इन लक्षणों से तुरंत और प्रभावी राहत पाने के लिए तुलसी और अजवाइन के पानी से भाप लेना एक सदियों पुराना और आजमाया हुआ घरेलू नुस्खा है। इस प्रक्रिया को आयुर्वेद में विशेष महत्व दिया गया है। तुलसी को उसके एंटी-वायरल, एंटी-बैक्टीरियल और इम्यून-बूस्टिंग गुणों के लिए जाना जाता है, जबकि अजवाइन में मौजूद थाइमोल नामक कंपाउंड एक एंटीसेप्टिक के रूप में कार्य करता है। जब इन दोनों को गर्म पानी में मिलाकर भाप ली जाती है, तो इनके औषधीय वाष्प सीधे श्वसन मार्ग में प्रवेश करते हैं। यह भाप न केवल नाक और गले में जमा बलगम को ढीला करती है, बल्कि संक्रमण फैलाने वाले कीटाणुओं से भी लड़ने में मदद करते है। यह सरल उपाय बिना किसी दवा के साइड इफेक्ट के, सर्दी, सिरदर्द और बंद नाक की परेशानी से मिनटों में राहत दिला सकता है, जिससे सांस लेना आसान हो जाता है।

## हंसना मना है

बच्चा- स्कूल में गधा लेकर आया, टीचर- इसे क्यों लाए हो, बच्चा- मैम आप ही तो कहती हो मैंने बड़े से बड़े गधे को इंसान बनाया है, मैंने सोचा इस बेचारे का भी भला हो जाएगा।

हिंदी टीचर- संता, काल कितने प्रकार के होते हैं? संता- तीन, टीचर- शाबाश, अब तीनों का एक-एक उदाहरण दो, संता- कल मैंने आपकी बेटी को देखा था, आज मैं उससे प्यार करता हूं और कल मैं उसे भगाकर ले जाऊंगा।

प्रेमिका- तुम इतने घबराए हुए क्यों हो? प्रेमी- मुझे एक व्यक्ति का धमकी भरा पत्र मिला है कि मैंने उसकी पत्नी से मिलना बंद नहीं किया तो वह मेरा खून कर देगा। प्रेमिका- तो तुम उसकी पत्नी से मिलना बंद कर दो। प्रेमी- पर धमकी भरा खत गुमनाम व्यक्ति ने लिखा है। मैं ये कैसे जान सकता हूं कि उसकी पत्नी कौन सी है?

प्रेमिका ने प्रेमी से कहा -अपनी शादी के लिए तुम मां से मिलकर देखो। प्रेमी- नहीं डियर! अब तुम्हारे सिवाय कोई दूसरी मेरे मन में नहीं बस सकती।

## कहानी | एक घमंडी हाथी और चींटी

एक बार की बात है। किसी जंगल में एक हाथी रहता था। उसे अपने शरीर और अपनी ताकत का बहुत घमंड था। उसे रास्ते में जो भी जानवर मिलता, वो उसे परेशान करता और डरा कर भगा देता। एक दिन वह कहीं जा रहा था। रास्ते में उसने एक पेड़ पर एक तोते को बैठा देखा और उससे अपने सामने झुकने के लिए बोला। तोते ने झुकने से मना कर दिया, तो गुस्से में आकर हाथी ने वो पेड़ ही उखाड़ दिया, जिस पर तोता बैठा था। तोता उड़ गया और हाथी उसे देख कर हंसने लगा। फिर एक दिन हाथी नदी के किनारे पानी पीने के लिए गया। वहीं पर चींटियों का छोटा-सा घर था। एक चींटी बड़ी मेहनत से अपने लिए खाना इकट्ठा कर रही थी। यह देख हाथी ने पूछा कि तुम क्या कर रही हो, तो चींटी ने कहा कि बरसात का मौसम आने से पहले अपने लिए भोजन जमा कर रहीं हूं, ताकि बारिश का मौसम बिना किसी परेशानी से निकल जाए। यह सुन कर हाथी के मन में शरारत सूझी और उसने अपनी सूंड़ में पानी भर कर चींटी के ऊपर डाल दिया। पानी से चींटी का भोजन खराब हो गया और वो पूरी भीग गई। यह देखकर चींटी को बहुत गुस्सा आया और उसने घमंडी हाथी को सबक सिखाने का सोचा। फिर एक दिन चींटी को मौका मिल ही गया कि वो हाथी को सबक सिखा सके। हाथी भोजन करके हरी घास पर सो रहा था। चींटी सोते हुए हाथी की सूंड़ में घुस गई और अंदर से उसे काटने लगी। जैसे ही चींटी ने हाथी को काटा, हाथी दर्द के मारे जोर जोर से रोने लगा और मदद के लिए पुकारने लगा। चींटी ने हाथी के रोने की आवाज सुनी और सूंड़ से बाहर निकल आई। हाथी उसे देख कर डर गया और अपने किए की माफी मांगी। जब चींटी को महसूस हुआ कि हाथी को अपनी गलती का अहसास हो गया है, तो उसने हाथी को माफ कर दिया। हाथी अब बिलकुल बदल गया और उसने वादा किया कि अब वो किसी को नहीं सताएगा और दूसरों की मदद करेगा।

**कहानी से सीख**- हमें अपनी ताकत पर कभी घमंड नहीं करना चाहिए। अपनी ताकत के जोर पर दूसरों को परेशान करने की जगह उनकी मदद करनी चाहिए।

## 7 अंतर खोजें

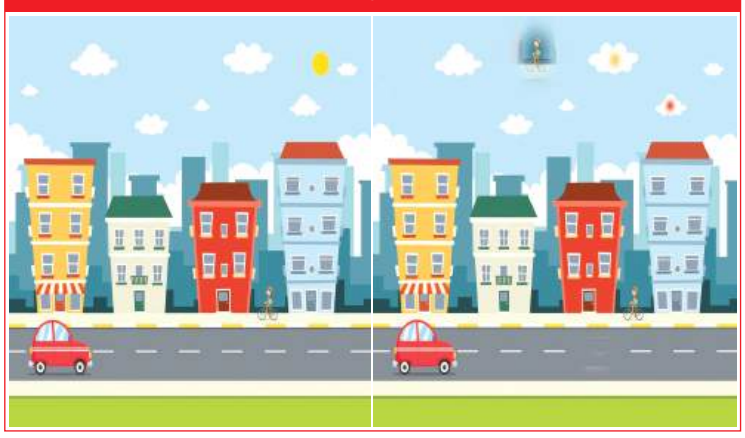

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष** व्यवसाय ठीक चलेगा। पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। व्यय होगा। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे। परिश्रम का अनुकूल फल मिलेगा।

**वृषभ** यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न लें। रोजगार मिलेगा। अप्रत्याशित लाभ संभव है। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी।

**मिथुन** विवाद से क्लेश होगा। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग परेशान कर सकता है। जोखिम न लें। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा।

**कर्क** बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न उठाएं। आज का दिन आपके लिए शुभ रहने की संभावना है।

**सिंह** मेहनत का फल मिलेगा। योजना फलीभूत होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कर्ज से दूर रहना चाहिए। खर्च में कमी होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

**कन्या** चोट व रोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। क्रय-विक्रय के कार्यों में लाभ होगा। योजनाएं बनेंगी।

**तुला** रकुसंगति से हानि होगी। वाहन मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें, जोखिम न लें। परेशानियों का मुकाबला करके भी लक्ष्य को हासिल कर पाएंगे।

**वृश्चिक** राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। जायदाद संबंधी समस्या सुलझने के आसार बनेंगे।

**धनु** संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। धैर्य एवं शांति से वाद-विवादों से निपट सकेंगे। दुस्साहस न करें।

**मकर** किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ होगा। धन संचय की बात बनेगी। परिवार के कार्यों पर ध्यान देना जरूरी है।

**कुम्भ** बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। थकान रहेगी। व्यापार-व्यवसाय संतोषप्रद रहेगा। आपसी संबंधों को महत्व दें।

**मीन** मेहनत का फल कम मिलेगा। कार्य की प्रशंसा होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। संतान की शिक्षा की चिंता समाप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

# बॉर्डर 2 में बेटे अहान शेट्टी को वर्दी में देख भावुक हो गए सुनील शेट्टी

सुनील शेट्टी के बेटे की फिल्म बॉर्डर 2 सिनेमाघरों में 23 जनवरी को रिलीज हो चुकी है। सुनील शेट्टी साल 1997 में आई जेपी दत्ता की फिल्म बॉर्डर का हिस्सा थे और ये मूवी उसी का सीक्वल है। इस मौके पर एक्टर काफी ज्यादा भावुक हो गए और बेटे के लिए एक खास वीडियो शेयर किया है।

सुनील शेट्टी ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें साल 1997 में आई उनकी फिल्म और बॉर्डर 2 से अहान शेट्टी के सीन्स को लेकर उन्होंने एक कोलाज तैयार किया है। सुनील शेट्टी ने लिखा- मेरे बेटे, आज मैं तुम्हे बताना चाहता हूं कि बॉर्डर मेरे लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं थी बल्कि एक जिम्मेदारी थी जिसे मैं कैमरा बंद होने के बाद भी मैंने लंबे समय तक अपने भीतर जिया है। सालों बाद तुम्हें उसी कपड़ों में देखना उस एहसास को फिर से जीवित कर देता है। ये नॉस्टेल्जिया नहीं बल्कि एक रिमाइंडर है। अनुशासन, त्याग, मौन और साहस की कहानी।

एक्टर ने आगे लिखा, 'ये फिल्म न सिर्फ शान की बात करती है, न ही जंग की, ये हमें याद दिलाती है कि शांति कितनी जरूरी है और उसकी

कीमत क्या होती है। बॉर्डर वो जगह नहीं है जहां देश खत्म होता है, ये वो जगह है जहां साहस शुरू होता है। कुछ कहानियां सिर्फ पर्दे पर नहीं रहती, बल्कि वो देश के लोगों के दिलों में बस जाती है। हमें कभी नहीं भूलना चाहिए कि वो वर्दी वास्तव में किस चीज का प्रतीक है। जय हिंद, जय भारत।'

## फिल्म मर्दानी 3 की रिलीज से पहले अनुष्का ने की रानी मुखर्जी की तारीफ

यशराज फिल्म्स की मर्दानी फ्रेंजाईजी की पिछली दो फिल्में काफी पसंद की गई हैं। अब इसकी तीसरी किस्त रिलीज को तैयार है। एक बार फिर रानी शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में वापसी कर रही हैं। मजबूत इरादों के साथ वे एक नए मिशन पर निकली हैं। फिल्म की रिलीज से पहले अनुष्का शर्मा ने भी फिल्म के प्रति उत्साह जताया है।

अनुष्का शर्मा ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए रानी मुखर्जी की तारीफ करते हुए फिल्म मर्दानी 3 के लिए एक्साइटमेंट जाहिर किया है। उन्होंने लिखा है कि वे रानी मुखर्जी की अदाकारी को बेहद पसंद करती हैं। अनुष्का ने फिल्म मर्दानी 3 का ट्रेलर अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया है। इसके साथ लिखा है, बधाई हो, रानी!

मैंने हमेशा आपके काम और आप जो भी करती हैं, उसमें आपकी गरिमा की तारीफ की है। आपके लिए आगे जो कुछ भी है, उसे देखने के लिए बहुत उत्साहित हूं। फिल्म मर्दानी 3 का निर्देशन अभिराज मीनावाला ने किया है। यह फिल्म 30 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म मर्दानी 3 में शिवानी शिवाजी रॉय (रानी मुखर्जी) भीख मांगने और चाइल्ड ट्रैफिक गैंग का सफाया करने के मिशन पर निकली हैं। फिल्म की कहानी रूह कपा देने वाली है। इसमें भिखारियों की माफिया गैंग एक महिला है, जिसे लोग अम्मा कहते हैं।

### यशराज फिल्म्स के साथ शुरू किया था अनुष्का ने करियर

अनुष्का शर्मा के करियर की शुरुआत यशराज फिल्म्स के साथ हुई। अभिनेत्री ने साल 2008 में आई फिल्म रब ने बना दी जोड़ी से बॉलीवुड में कदम रखा था। आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्देशित फिल्म को यशराज बैनर के तले बनाया गया। इसमें अनुष्का को शाहरुख खान के अपोजिट कास्ट किया गया था।

बॉलीवुड | मन की बात

## बार्डर 2 को लेकर मेरे मन में डर था कि कहीं मैं बड़े कलाकारों के बीच में कहीं खो न जाऊं : परमवीर चीमा

फिल्म बॉर्डर 2 सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। दर्शक इसे लेकर उत्साहित हैं। फिल्म के कलाकार भी सोशल मीडिया पर फिल्म से जुड़े वीडियो और तस्वीरें शेयर कर रहे हैं। कई कलाकार फिल्म से जुड़े किस्से साझा कर रहे हैं। ऐसे में फिल्म के अभिनेता परमवीर सिंह चीमा ने बताया है कि वह बॉर्डर 2 में अभिनय करने से क्यों डर रहे थे? परमवीर सिंह चीमा बॉर्डर 2 में सूबेदार निशान सिंह के किरदार में हैं। उन्होंने बताया जब मैंने बॉर्डर का नाम सुना तो मैं खुश हुआ क्योंकि यह बड़ी फिल्म है। हालांकि मेरे दिल में ख्याल आया कि बड़े कलाकारों के बीच कहीं मैं खो ना जाऊं। जब आप अपनी यात्रा के बारे में सोचते हैं, तो आप यह सोचते हैं कि आप आगे कैसे बढ़ेंगे। इसमें मैंने पगड़ी पहनी। मैं नहीं चाहता था कि लोग मुझे सिर्फ पगड़ी वाले किरदार में देखें। उन्होंने बताया कि उनकी निर्देशक अनुराग सिंह से मीटिंग हुई थी। उन्होंने उनसे अपनी चिंताएं बताईं और फिर उन्हें फिल्म में लिया गया। उन्होंने कहा, मैं आर्मी बैकग्राउंड से आता हूं। मेरे परदादा और परिवार के कई लोग आर्मी में थे। उन्होंने दूसरे विश्व युद्ध के दौरान भी देश की सेवा की थी। इसलिए, बहुत सारी जिम्मेदारियां थीं। बॉर्डर 2 देशभक्ति और हमारे सैनिकों के बारे में है। मुझे यह पक्का करना था कि कुछ भी गलत न हो। उन्होंने बताया कि उन्हें सनी देओल और वरुण धवन के साथ काम करके अच्छा लगा। आपको बता दें कि फिल्म बॉर्डर 2, 1997 में रिलीज हुई फिल्म बॉर्डर का सीक्वल है। इसमें सनी देओल, अहान शेट्टी, वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ अहम किरदारों में हैं। यह फिल्म आज सिनेमाघरों में रिलीज हुई है।

## भारत से इस देश के लिए भरी जाती है सबसे लंबी उड़ान, कई-कई घंटे बैठ थक जाते हैं यात्री

आजकल एयर ट्रैवल इतना आसान और सस्ता हो गया है कि लोग दूर-दूर के देशों में घूमने लगे हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारत से सबसे लंबी डायरेक्ट उड़ान किस देश के लिए जाती है? इसका जवाब है अमेरिका। खास तौर पर बेंगलुरु से सैन फ्रांसिस्को की एयर इंडिया फ्लाइट, जो 14,015 किलोमीटर की दूरी तय करती है और औसतन 16 से 17 घंटे लगते हैं। यह भारत की सबसे लंबी नॉन-स्टॉप उड़ान है, जो मुंबई-सैन फ्रांसिस्को (13,501 किमी) और दिल्ली-सैन फ्रांसिस्को (12,371 किमी) से भी आगे है। एयर इंडिया के बोइंग 777-200LR एयरक्राफ्ट से यह रूट ऑपरेट होता है, जो अल्ट्रा-लॉन्ग हॉल कैटेगरी में आता है। यह फ्लाइट भारत के 'सिलिकॉन वैली' बेंगलुरु को अमेरिका के 'सिलिकॉन वैली' सैन फ्रांसिस्को से जोड़ती है। बिजनेस, आईटी प्रोफेशनल्स और फैमिली वीजिट के लिए इसकी बहुत डिमांड है। फ्लाइट समय हवा की दिशा पर निर्भर करता है। कभी-कभी टेलविंड से स्पीड 800 मील प्रति घंटा तक पहुंच जाती है और समय कम हो जाता है, जबकि हेडविंड से 17-18 घंटे भी लग सकते हैं। यात्री बताते हैं कि इतने लंबे समय तक सीट पर बैठना थकाऊ होता है। पैर सुन्न हो जाते हैं, नींद पूरी नहीं आती और लगातार खाना-पीना भी मुश्किल लगता है। एयरलाइन प्रीमियम इकोनॉमी और बिजनेस क्लास में बेहतर सीट्स, एंटरटेनमेंट और मील्स ऑफर करती है ताकि सफर सहज हो सके। एयर इंडिया ने इस रूट को कई सालों से ऑपरेट किया है और यह कंपनी की सबसे लंबी फ्लाइट है। विकिपीडिया और एविएशन डेटा के अनुसार, जनवरी 2026 तक भी यही भारत की सबसे लंबी डायरेक्ट फ्लाइट बनी हुई है। अन्य अमेरिकी शहरों जैसे न्यूयॉर्क, न्यूर्क या डलास के लिए भी लंबी फ्लाइट्स हैं, लेकिन बेंगलुरु-सैन फ्रांसिस्को सबसे आगे है। पहले यह रिकॉर्ड दिल्ली-सैन फ्रांसिस्को के नाम था, लेकिन अब बेंगलुरु वाला रूट टॉप पर है। एयरलाइंस सलाह देती हैं कि हर 2-3 घंटे में उठकर यात्री वॉक करें, पानी ज्यादा पिएं और जेट लैग से बचने के लिए सोने-जागने का शेड्यूल फॉलो करें। कई लोग नींद की गोलियां या स्पेशल नेक पिलो इस्तेमाल करते हैं। एविएशन एक्सपर्ट्स कहते हैं कि ऐसे लॉन्ग-हॉल फ्लाइट्स में सेफ्टी और कम्फर्ट सबसे महत्वपूर्ण है। बोइंग 777-200LR जैसे एयरक्राफ्ट लंबी दूरी के लिए डिजाइन किए गए हैं, जिनमें ज्यादा फ्यूल कैपेसिटी और बेहतर इंजन होते हैं। एयर इंडिया ने हाल में फ्लीट अपग्रेड किया है, जिससे ये फ्लाइट्स और बेहतर हुई है।

अजब-गजब | बारिश के लिए अनोखा टोटका!

# सूखे की स्थिति में इंद्र देव को खुश करने के लिए यहां कराई जाती है मेंढकों की शादी

भारत में पीढ़ियों से तालाबों, खेतों में मेंढकों का विशेष स्थान रहा है बारिश से पहले उनकी टर्राहट सुनाई देना मौसम के बदलाव का संकेत माना जाता है। जब मानसून समय पर नहीं आता या सूखे की स्थिति बनती है, तो किसान एक अनोखा लोक रिवाज निभाते हैं, जिसे मेंढकों की शादी कहा जाता है। असम में इसे 'भेकुली बिया' और कर्नाटक में 'मंडूका परिणय' के नाम से जाना जाता है। इस परंपरा में नर और मादा मेंढक का विवाह हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार कराया जाता है, ताकि बारिश हो सके।

ढक मानसून से गहराई से जुड़े होते हैं क्योंकि यही उनका प्रजनन काल होता है, जब वे टर्राते हैं और पानी में अंडे देते हैं। गांव वालों का मानना है कि शादी के बाद मेंढक प्रसन्न होकर टर्राते हैं, जिससे इंद्र या वरुण जैसे वर्षा देवता खुश होते हैं। यह परंपरा वेद या पुराणों में वर्णित नहीं है, बल्कि आदिवासी आस्थाओं, कृषि से जुड़ी चिंताओं और स्थानीय धार्मिक प्रथाओं का मिश्रण मानी जाती है। यह रिवाज सदियों पुराना है और इसकी शुरुआत ब्रिटिश शासन से भी पहले की मानी जाती है। आज भी यह परंपरा जीवित है और निभाई जा रही है। 2023 से 2025 के बीच असम के कामरूप, बिश्वनाथ और दर्रांग जिलों में ऐसे आयोजन देखे गए थे। जो जलवायु परिवर्तन के दौर में भी पुरानी मान्यताओं की निरंतरता को दर्शाते हैं। इस परंपरा में सबसे पहले मेंढकों को पकड़ा जाता है, फिर उनकी पूजा होती है। उन्हें वस्त्र पहनाएं जाते हैं और अंत में जल में छोड़ देना। हालांकि, अलग-अलग क्षेत्रों में इसे निभाने के तरीकों में कुछ भिन्नताएं देखने को मिलती हैं।असम में होने वाली 'भेकुली बिया' में मेंढकों पर हल्दी लगाई जाती है, उन्हें पारंपरिक असमिया वस्त्र पहनाए जाते हैं और सिंदूर अर्पित किया जाता है।

इस मौके पर गांव में ढोल-नगाड़ों की गूंज रहती है, सामूहिक भोज का आयोजन होता है और असमिया लोकगीत गाए जाते हैं। ये गीत लोक साहित्य का हिस्सा हैं, जो पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ते आए हैं। असम के साथ-साथ उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में भी यह परंपरा प्रचलित है।

# भारत का गणतंत्र एक जीवंत संकल्प है

» चिंतन रिसर्च फाउंडेशन ने किया जन-केंद्रित नीतिगत संवाद

» डॉ. सिंह ने कहा- देश विरासत आधारित ढांचों से आगे बढ़ा

## गणतंत्र के 77 वर्ष पूरे होने पर स्वागत समारोह का आयोजन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चिंतन रिसर्च फाउंडेशन (सीआरएफ) ने भारत के गणतंत्र के 77वें वर्ष के उपलक्ष्य में नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस स्वागत समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर राजदूतों, वरिष्ठ नीति-निर्माताओं, राजनयिकों, मीडिया प्रतिनिधियों, शिक्षाविदों और संस्था के मित्रों ने संवाद और आत्ममंथन की एक सार्थक शाम में भाग लिया। इस समारोह में केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। चिंतन रिसर्च फ़ाउंडेशन के अध्यक्ष शिशिर प्रियदर्शी ने गणतंत्र को एक जीवंत संकल्प के रूप में बताया, जो विमर्श, बहुलवाद, सहभागिता और सशक्त संस्थानों पर आधारित है।

### राजनयिक मिशनों, शिक्षा जगत, मीडिया और नागरिक समाज से जुड़े हितधारक

यह शाम सरकार, राजनयिक मिशनों, शिक्षा जगत, मीडिया और नागरिक समाज से जुड़े हितधारकों के बीच अनौपचारिक संवाद का मंच बनी, जिसने तेज़ी से बदलते वैश्विक और घरेलू परिदृश्य में विचारपूर्ण सहभागिता के लिए मंच तैयार करने की सीआरएफ की प्रतिबद्धता को दोहराया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन और गणतंत्र दिवस की शुभकामनाओं के साथ हुआ, जिसमें फ़ाउंडेशन ने भारत की लोकतांत्रिक और विकासात्मक आकांक्षाओं की सेवा में जिज्ञासु, खुले और प्रासंगिक बने रहने के अपने संकल्प को दोहराया।

उन्होंने कहा कि सीआरफ की स्थापना इस विश्वास पर हुई कि भारत की विकास यात्रा तब सबसे मज़बूत होती है, जब नीतिगत संवाद जन-केंद्रित, प्रमाण-आधारित और वैश्विक दृष्टि से जुड़ा हुआ हो। अपने संबोधन में केंद्रीय राज्य मंत्री ने गणतंत्र के बदलते अर्थ और भारत की लोकतांत्रिक यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत इस महत्वपूर्ण पड़ाव को ऐसे समय मना रहा है, जब देश में नया आत्मविश्वास और संस्थागत परिवर्तन दिखाई दे रहा है। डॉ. सिंह ने कर्तव्य पथ पर आयोजित होने वाली गणतंत्र दिवस परेड के प्रतीकात्मक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह भारत के उस परिवर्तन को दर्शाता है, जिसमें देश विरासत आधारित ढाँचों से आगे बढ़कर कर्तव्य, जवाबदेही और नागरिक सहभागिता पर आधारित शासन की ओर अग्रसर हो रहा है। उन्होंने पीढ़ियों के बीच लोकतांत्रिक संस्कारों के हस्तांतरण की आवश्यकता पर ज़ोर दिया और कहा कि बीते दो दशकों में भारत में लोकतंत्र की वास्तविक भावना और अधिक गहराई से अभिव्यक्त हुई है।

### संस्थाएं तब टिकाऊ बनती हैं, जब नागरिक सक्रिय रहते हैं : शिशिर प्रियदर्शी

सीआरएफ के अध्यक्ष शिशिर प्रियदर्शी ने कहा हमारी संस्थाएं तब टिकाऊ बनती हैं, जब नागरिक सक्रिय रहते हैं और विचारों पर गंभीर बहस होती है, प्रियदर्शी ने कहा, और जन-संवाद को सशक्त बनाने में थिंक टैंकों की भूमिका को रेखांकित किया। प्रियदर्शी ने व्यापार और भू-अर्थशास्त्र, ऊर्जा संक्रमण और जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और भविष्य का कार्यक्षेत्र, वैश्विक अवसंरचना तथा अंतरराष्ट्रीय संबंधों की बदलती संरचना जैसे क्षेत्रों में सीआरपीएफ के कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस स्वागत समारोह जैसे आयोजन विश्वास, संवाद और सीमाओं व विषयों से परे सहयोग पर आधारित लोकतांत्रिक पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

### समन्वित दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता

भारत की वैश्विक स्थिति पर बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश अब केवल अपनाने वाला नहीं, बल्कि अग्रणी भूमिका निभाने वाला राष्ट्र बन चुका है और कई रणनीतिक क्षेत्रों में नेतृत्व कर रहा है। उन्होंने राष्ट्रीय एआई मिशन, विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में भारत की बढ़ती उपस्थिति और परमाणु क्षेत्र को निजी भागीदारी के लिए खोलने जैसे सुधारों का उल्लेख करते हुए कहा कि ये सभी संकेत हैं कि भारत अधिक प्रभावशाली वैश्विक भूमिका निभाने के लिए तैयार है। उन्होंने शासन और राष्ट्रीय विकास में साइलो से बाहर निकलकर समन्वित दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

# त्योहार जाति और धर्म से परे हो: ममता बनर्जी

## सरस्वती पूजा कार्यक्रम में शामिल हुई सीएम

» बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा- सभी का भविष्य उज्जवल हो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रदेशवासियों को बसंत पंचमी की शुभकामनाएं देते हुए सोशल मीडिया पर सरस्वती पूजा में शामिल होने की तस्वीर पोस्ट की है। सीएम ममता बनर्जी ने फेसबुक पर पोस्ट करके सभी भारतवासियों को बसंत पंचमी की शुभकामनाएं दीं। सीएम ममता बनर्जी ने इस शुभ मौके पर कोलकाता के सबसे पुराने महिला कॉलेजों में से एक योगमाया देवी कॉलेज के गायन कार्यक्रम में भाग लिया।

कार्यक्रम में शामिल होने के दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि यह कॉलेज पूर्व छात्रा होने के नाते उनके लिए विशेष महत्व रखता है। इस कॉलेज की पूर्व छात्रा होने के नाते मेरी इस कॉलेज से जुड़ी कई यादें हैं। आज मैं पूर्व और वर्तमान छात्राओं से मिलकर बहुत भावुक हूं। सीएम ममता बनर्जी ने देवी मां सरस्वती को ज्ञान, संगीत और कला की अधिष्ठात्री बताते हुए कहा कि देवी पुस्तक धारण करती हैं। देवी के आशीर्वाद से बंगाल और देश के सभी छात्रों का भविष्य उज्ज्वल हो। सीएम ममता बनर्जी ने प्रार्थना की कि सच्चे ज्ञान का प्रकाश सभी दुखों सभी गरीबी को दूर कर दे यही मेरी मां के चरणों में प्रार्थना है।

बसंत पंचमी की पुण्यतिथि पर उन्होंने देवी के आशीर्वाद से बंगाल के लोगों की रचनात्मक प्रतिभा और कला अमर रहने की कामना की। पोस्ट में उन्होंने कहा कि दुनिया रोशन हो और ज्ञान का प्रकाश फैले। त्योहार को जाति-धर्म-वर्ग के किसी भी बंधन के बिना आनंदमय तरीके से मनाया जाना चाहिए।

### सभी को दिल से प्यार

इससे पहले ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके लोगों को बसंत पंचमी की शुभकामनाएं दी थीं। उन्होंने लिखा, इस वसंत पंचमी के दिन एक नई ताजी धारा बहे, सभी बाधाओं और रुकावटों को तोड़ दे, निराशा को पूरी तरह से खत्म कर दे। सरस्वती पूजा और बसंत पंचमी के मौके पर मैं आप सभी को दिल से प्यार, शुभकामनाएं और बधाई देती हूं। उन्होंने इस दौरान सरस्वती पूजा का एक गाना भी शेयर किया, जिसे उन्होंने खुद लिखा और कंपोज किया। गाने को अदिति मुंशी ने गाया है।

# जहरीली है नवनीत राणा : वारिस पठान

» कहा- हमारी पार्टी को सांप्रदायिक पार्टी कहने वालों के मुंह पर करारा तमाचा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। एआईएमआईएम नेता वारिस पठान ने भाजपा नेता नवनीत राणा के उस बयान पर पलटवार किया है जिसमें उन्होंने कहा कि हरा रंग करने के लिए पाकिस्तान जाना पड़ेगा इस देश में तो भगवा ही चलेगा। वारिस पठान ने कहा कि नवनीत राणा सिर्फ नफरत फैलाना जानती हैं। मुंबई में जारी किये गये बयान में उन्होंने कहा है कि नवनीत राणा के पास कोई काम नहीं है।

हमेशा पाकिस्तान की बात करती हैं मुझे लगता है कि इन्हें पाकिस्तान से बहुत प्यार है और जब तक पाकिस्तान का नाम नहीं ले लेती खाना हजम नहीं होता है। हम भारत में रहेंगे और कोई निकाल नहीं सकता है। जिसे जाना था वह चले गए। हमें गर्व है कि हम भारतीय मुसलमान हैं। हरा रंग तो हमारे तिरंगे में भी है। एआईएमआईएम कॉर्पोरेटर विजय उबाले के मामले में वारिस पठान ने कहा कि यह उन लोगों के मुंह पर करारा तमाचा है जो कहते थे कि हमारी पार्टी एक सांप्रदायिक पार्टी है। जनता ने हमारे जिन पार्षदों को जिताया है उनमें हमारे विजय उबाले हिंदू हैं। हमारी पार्टी मुसलमानों की बात के साथ साथ सभी वर्गों की बात करती है। एआईएमआईएम कॉर्पोरेटर सहर शेख को पुलिस द्वारा नोटिस जारी करने पर वारिस पठान ने कहा कि वह किस कानूनी प्रावधान के तहत यह एफआईआर दर्ज करने की मांग कर रहे हैं मैं यह समझना चाहता हूं। क्या उन्होंने कोई भड़काऊ भाषण दिया कोई उकसाने वाला बयान दिया या कुछ गलत कहा? उन्होंने तो सिर्फ इतना कहा कि हमारी पार्टी का झंडा हरे रंग का है।

### हमारी पार्टी के झंडे का रंग हरा है

वारिस पठान के मुताबिक अगर हमारी पार्टी का झंडा पीला या सफेद होता तो उसे उसी हिसाब से दिखाया जाता लेकिन क्योंकि यह हरा है इसलिए यह पूरे मुंबा के लिए हरा ही रहेगा। वारिस पठान ने कहा कि उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज नहीं होता है जो कहते हैं कि भगवा कर देंगे। उन्होंने कहा कि हमारे पार्टी अध्यक्ष ने साफ कहा है कि जो भी भाजपा अजित पवार या शिंदे गरुप के साथ जाएगा उस पर कड़ी कार्रवाई होगी। हम भाजपा के साथ नहीं जा सकते। एआई से बनी तस्वीरों को मैंने देखा है और ऐसे कामों में शामिल किसी भी व्यक्ति पर कानूनी कार्रवाई होगी। हम उनके खिलाफ सख्त कदम उठाएंगे।

## दूसरे टी20 में ईशान किशन का तूफान

» रायपुर में 209 रन का पहाड़ 15.2 ओवर में ढहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। भारत ने न्यूजीलैंड को दूसरे टी20 में सात विकेट से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त ले ली है। टीम इंडिया के लिए इस मैच के हीरो रहे ईशान किशन, जिन्होंने 32 गेंद में 11 चौके और चार छक्के की मदद से 76 रन की पारी खेली। ईशान जब मैदान पर आए, तब भारत का स्कोर दो विकेट पर छह रन था। उन्होंने मैदान पर आते ही चौके और छक्कों की बरसात कर दी।

इस मुकाबले में न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 208 रन बनाए। जवाब में भारतीय बल्लेबाजों ने तूफानी अंदाज में लक्ष्य का पीछा किया। भारत ने 15.2 ओवर में ही जीत लिया। भारत ने 28 गेंद शेष रहते 209 रन का लक्ष्य हासिल किया, जो टी20 अंतरराष्ट्रीय में 200+ लक्ष्य का पीछा करते हुए किसी फुल मेंबर टीम की सबसे बड़ी जीत है।

# बीजेपी सनातन की बात करती है और शंकराचार्य का अपमान भी करते है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» धर्मेन्द्र यादव ने कहा- सनातन के नाम पर नफरत

आजमगढ़। समाजवादी पार्टी सांसद धर्मेंद्र यादव ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद विवाद पर प्रदेश की भाजपा सरकार की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा है कि वर्तमान प्रदेश सरकार सनातन की बात करती है लेकिन वह शंकराचार्य का सम्मान भी नहीं कर सकती। जनता सबकुछ देख रही है और सही समय पर इसका जवाब भी दिया जाएगा। आजमगढ़ में सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने योगी आदित्यनाथ का जिक्र करते हुए कहा कि जो लोग कभी मानते थे कि योगी आदित्यनाथ सनातन धर्म को बढ़ावा देने वाले हैं और उन्हें ब्रांड एंबेसडर भी मानते थे उन्हें अब सोचना चाहिए कि जब प्रदेश के मुखिया शंकराचार्य का सम्मान भी नहीं कर सकते।

धर्मेन्द्र यादव ने कहा कि वे सनातन धर्म के नाम पर हमारे मुस्लिम भाइयों के खिलाफ नफरत फैलाते थे दलितों और पिछड़े समुदायों पर अत्याचार करते थे और अब तो संत समुदाय को भी निशाना बनाया जा रहा है। मेरा मानना है कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद हमारे सम्मानित शंकराचार्य हैं और उनका सम्मान करना हर सनातनी की जिम्मेदारी है। जो लोग ऐसा करने से इनकार करते हैं, वे घमंडी हैं और जनता उन्हें जवाब देगी।

समाजवादी पार्टी की एक मीटिंग के बारे में उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि मीटिंग बहुत अच्छी रही और सभी जन प्रतिनिधि मौजूद थे। हर सदस्य ने अपनी जानकारी और अनुभव के आधार पर अपनी-अपनी चिंताओं को बताया और अपने-अपने इलाकों की समस्याओं पर बात की।

# प्रधानमंत्री मोदी की वजह से कपड़ा उद्योग संकट में : राहुल गांधी

## नेता प्रतिपक्ष ने कहा- बड़े पैमाने पर नौकरियां खत्म हो रही

## अमेरिकी टैरिफ की वजह से भारत की कमजोर अर्थव्यवस्था की असलियत सामने आ रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एनडीए की मोदी सरकार पर हमला बोला है। हुए कहा कि अमेरिकी टैरिफ और नीतिगत अनिश्चितता के कारण भारत का कपड़ा उद्योग संकट में है, जिससे बड़े पैमाने पर नौकरियां खत्म हो रही हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को जवाबदेह ठहराते हुए भारतीय व्यवसायों की रक्षा के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी टैरिफ से भारत की कमजोर अर्थव्यवस्था की असलियत सामने आ रही है, जिससे कपड़ा उद्योग बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। उन्होंने नौकरियों में कटौती, कारखानों के बंद होने और ऑर्डर में कमी की चेतावनी देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया कि वे वाशिंगटन के साथ एक ऐसा व्यापार समझौता करें जो भारतीय श्रमिकों और व्यवसायों की रक्षा करे।

### भारतीय हितों को सर्वोपरि रखें पीएम

गांधी ने तीखे शब्दों में मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें अपनी कमजोरी को अर्थव्यवस्था को और अधिक नुकसान पहुंचाने नहीं देना चाहिए, और सरकार से आग्रह किया कि वह अमेरिका के साथ एक ऐसे व्यापार समझौते को प्राथमिकता दे जो भारतीय हितों को सर्वोपरि रखे। भारत में वस्त्र उद्योग को दूसरा सबसे बड़ा रोजगार देने वाला क्षेत्र बताते हुए गांधी ने कहा कि शिल्प कौशल के लिए विश्व स्तर पर प्रशंसित यह उद्योग अब अनिश्चितता के दौर से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी टैरिफ के साथ-साथ निर्यातकों को यूरोप में गिरती कीमतों और बांग्लादेश और चीन से मिल रही कड़ी प्रतिस्पर्धा का भी सामना करना पड़ रहा है। वीडियो में गांधी को कारखाने का दौरा करते, श्रमिकों और प्रबंधन से बातचीत करते और कपड़ा काटने का प्रयास करते हुए दिखाया गया है। उन्होंने कहा कि इस दौरे ने भारतीय श्रमिकों के कौशल और दृढ़ता को रेखांकित किया है। गांधी ने कहा कि भारत के लिए अमेरिका के साथ ऐसा व्यापार समझौता करना अत्यावश्यक है जो भारतीय व्यवसायों और भारतीय श्रमिकों को प्राथमिकता दे।

### कपड़ा फैक्ट्री के हालिया दौरे का वीडियो किया साझा

हरियाणा की एक कपड़ा फैक्ट्री के अपने हालिया दौरे का वीडियो साझा करते हुए गांधी ने कहा कि अमेरिका द्वारा लगाए गए 50प्रतिशत टैरिफ और नीतिगत अनिश्चितता से कपड़ा निर्यातकों को भारी नुकसान हो रहा है, जिससे भारत के सबसे बड़े रोजगार सृजनकर्ताओं में से एक संकट में फंस गया है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि अमेरिका द्वारा लगाए गए 50प्रतिशत टैरिफ और अनिश्चितता से भारत के कपड़ा निर्यातकों को भारी नुकसान हो रहा है। नौकरियों का नुकसान, कारखानों का बंद होना और ऑर्डरों में कमी आना हमारी बेहाल अर्थव्यवस्था की हकीकत बन चुकी है। मोदी ने न तो कोई राहत दी है और न ही टैरिफ के बारे में कोई बात की है, जबकि 45 करोड़ से अधिक नौकरियां और लाखों व्यवसाय खतरे में हैं। मोदी जी, आप जवाबदेह हैं कृपया इस मामले पर ध्यान दें!

## 'शिवसेना की विचारधारा को कोई नहीं कर सकता खत्म'

### शिवसेना यूबीटी ने भाजपा को ललकारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र नगर निगम चुनावों में, विशेषकर बीएमसी में, करारी हार के बाद उद्धव ठाकरे ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि शिवसेना एक पार्टी नहीं, बल्कि एक विचारधारा है जिसे नष्ट नहीं किया जा सकता। यह बयान उनकी पार्टी के घटते राजनीतिक वर्चस्व के बीच आया है, जहाँ भाजपा-महायुति गठबंधन ने ठाकरे परिवार के तीन दशक पुराने गढ़ को समाप्त कर दिया है। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि शिवसेना के यूबीटी गुट को नष्ट नहीं किया जा सकता। उन्होंने इसे मात्र एक राजनीतिक दल से कहीं अधिक बताया और इसे एक विचारधारा तथा धरती सपूतों का प्रतीक बताया।

उन्होंने ये बातें अपने पिता बालासाहेब ठाकरे की जन्म शताब्दी समारोह के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कही और जोर देकर कहा कि भाजपा द्वारा शिवसेना को खत्म करने के प्रयास विफल होंगे। उद्धव ठाकरे ने कहा कि शिवसेना सिर्फ एक राजनीतिक दल नहीं है। और अगर भाजपा सोचती है कि शिवसेना उसे खत्म कर देगी, तो आप शिवसेना को खत्म नहीं कर सकते, आप शिवसेना को नष्ट नहीं कर सकते क्योंकि शिवसेना एक पार्टी नहीं है; शिवसेना एक विचारधारा है। शिवसेना धरती सपूतों की चिंगारी है। और शिवसेना शोषितों के दिलों में जलती मशाल है; आप इसे बुझा नहीं सकते। आप इसे बिल्कुल नहीं बुझा सकते। यह घटना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके महायुति सहयोगियों द्वारा महाराष्ट्र नगर निगम चुनावों में शानदार जीत हासिल करने के कुछ दिनों बाद घटी है। भाजपा ने 29 में से 25 नगर निगमों पर कब्जा किया, जिनमें प्रतिष्ठित बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) भी शामिल है। यह सत्ता में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है, जिससे बीएमसी पर ठाकरे परिवार का लगभग तीन दशक पुराना वर्चस्व समाप्त हो गया है। महायुति गठबंधन ने 227 सदस्यीय बीएमसी में 118 सीटें जीतकर बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया। भाजपा 89 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। शिवसेना (एकनाथ शिंदे) ने 29 सीटें जीतीं। शिवसेना (यूबीटी) ने 65 सीटें जीतकर विपक्ष का नेतृत्व किया। कांग्रेस ने 24 सीटें जीतीं। एआईएमआईएम ने मुंबई में 8 और राज्य भर में 114 सीटें जीतकर उल्लेखनीय सफलता हासिल की; एमएनएस ने 6 सीटें जीतीं। दूसरी ओर, एमएनएस के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रही शिवसेना (यूबीटी) ने 65 सीटें जीतीं। यूबीटी के नेतृत्व वाली शिवसेना को 7,17,736 वोट मिले, जो कुल डाले गए वोटों का 13.13 प्रतिशत है।

## तमिलनाडु को मिलता है छोटा हिस्सा : मणिकम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता मणिकम टैगोर ने शनिवार को केंद्रीय निधियों के विभाज्य कर कोष में तमिलनाडु के हिस्से में कमी का मुद्दा उठाया, जबकि राज्य को पहले की तुलना में कुल मिलाकर अधिक धनराशि मिल रही है।

केंद्रीय बजट से आवंटित धनराशि का प्रतिशत बताते हुए टैगोर ने कहा कि 2004-2014 के दौरान, संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) के शासनकाल में, तमिलनाडु को केंद्रीय बजट कोष का 5 प्रतिशत प्राप्त हुआ, जबकि 2014-2025 के दौरान राज्य को केवल लगभग 4.08 प्रतिशत ही प्राप्त हुआ। यह इस तथ्य के बावजूद है कि तमिलनाडु को 2014 के बाद अधिक धनराशि प्राप्त हुई, जिसका कारण टैगोर ने बजट के आकार में वृद्धि, बढ़ती मुद्रास्फीति और कर संग्रह में विस्तार को बताया। टैगोर ने पोस्ट किया कि केंद्रीय बजट और तमिलनाडु: मनमोहन सिंह बनाम मोदी - प्रतिशत के आधार पर वास्तविकता का विश्लेषण। केंद्रीय बजट को हमेशा बड़ी रकम के रूप में दिखाया जाता है। लेकिन असली सवाल सीधा सा है, 100प्रतिशत में से तमिलनाडु को वास्तव में कितना मिला?

## भाजपा आरएसएस से नियंत्रित है, वंशवाद से भी बदतर : सरवनन

### डीएमके ने पीएम मोदी पर लगाया भेदभाव का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) के नेता सरवनन अन्नादुरई ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चुनाव वाले राज्य के दौरे के बाद भाजपा की आलोचना की। उन्होंने कहा कि भाजपा आरएसएस द्वारा नियंत्रित है, जो उनके अनुसार वंशवाद से भी बदतर है। उन्होंने एनडीए पर तमिलनाडु के साथ विश्वासघात करने का भी आरोप लगाया।

चेन्नई में एएनआई से बात करते हुए अन्नादुरई ने कहा, जब भाजपा की बात आती है, तो वंशवाद ठीक है, लेकिन जब बात विपक्षी पार्टी की आती है, तो वे वंशवाद की बात करने लगते हैं। तमिलनाडु की जनता ने हमें चुना है। हमारे नेता उदयनिधि स्टालिन 2019 से चुनाव प्रचार कर रहे हैं और हमने कभी कोई चुनाव नहीं हारा है। आप जो कर रहे हैं वह वंशवाद से भी बदतर है। अन्नादुरई ने कहा कि आप आरएसएस द्वारा शासित हैं और पूरी तरह से आरएसएस के इशारों पर चल रहे हैं, जो कुछ उच्च जाति के हिंदुओं द्वारा नियंत्रित है। यह वंशवाद से भी बदतर है। एनडीए केवल तमिलनाडु राज्य के साथ विश्वासघात कर रहा है। एक दिन पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव वाले तमिलनाडु में सत्तारूढ़ डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि राज्य में ऐसी सरकार है जिसमें लोकतांत्रिक मूल्यों और जवाबदेही का अभाव है।

चेंगलपट्टू जिले के मदुरंतकम में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि डीएमके सरकार राज्य की जनता के हितों की बजाय एक ही परिवार के हितों की सेवा करती है।

## प्रदेश में सक्रिय होगा पश्चिमी विक्षोभ, गिर सकते हैं ओले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से मौसम ने एक बार फिर से करवट ली है। पश्चिमी यूपी के तराई, एनसीआर और उत्तराखंड से सटे जिलों में 30 से 40 किमी प्रति घंटे की झोंकेदार हवाओं के साथ शामली, गाजियाबाद, मेरठ, सहारनपुर आदि में हल्की बूंदाबांदी हुई।

सहारनपुर, मुजफ्फर नगर और शामली में हवाओं की रफ्तार 60 किमी प्रति घंटे तक दर्ज की गई। कई जिलों में दिन के अधिकतम तापमान में भारी गिरावट आई। मौसम विभाग का कहना है कि विक्षोभ के असर से शनिवार को पूर्वी यूपी और मध्यांचल में भी छिटपुट बूंदाबांदी के आसार हैं। वहीं पश्चिमी तराई और उत्तराखंड से सटे लगभग 15 जिलों में ओले गिरने की भी आशंका है। बदले हुए मौसम के बीच यूपी में 27 जनवरी से एक और पश्चमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। इसकी वजह से पूर्वी और पश्चिमी दोनों संभागों में दिन व रात के तापमान में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा। वहीं शनिवार को पश्चिमी यूपी में न्यूनतम तापमान में 5 डिग्री तक की बढ़त के संकेत हैं, तो वहीं मध्यांचल में बादलों की वजह से दिन के तापमान में हल्की गिरावट आएगी।

### 40 से 50 किमी/घंटा की रफ्तार वाली हवाएं बहेंगी

सहारनपुर शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, कासगंज, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल बदायूं एवं आसपास के इलाकों में। राजधानी में लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस के पार रहा। देर शाम बादलों की आवाजाही बढ़ी और हवा में ठंडक घुल गई। मौसम विभाग का अनुमान है कि प्रदेश में सक्रिय विक्षोभ के असर से शनिवार को लखनऊ में बादलों की हलचल बढ़ेगी और झोंकेदार हवाओं के बूंदाबांदी के आसार हैं। दिन के तापमान में हल्की गिरावट के संकेत हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।